This question paper contains 8+3 printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

8735

B.A. (Programme)/II/III **AS**

HINDI LANGUAGE (C)—Paper II

हिंदी भाषा (ग)—प्रश्नपत्र II

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

टिप्पणी :—प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक SOL/NCWEB/Non-Formal Cell के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में कम होंगे।

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं। किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10,10

(क) झपटता बाज,

फन उठाए साँप

P.T.O.

दो पैरों पर खड़ी

काँटों से नन्हीं पत्तियाँ खाती बकरी

दबे पाँव झाड़ियों में चलता चीता,

डाल पर उल्टा लटक

फल कुतरता तोता,

या इन सब की जगह

आदमी होता।

जब भी

भूख से लड़ने

कोई खड़ा हो जाता है

सुन्दर दीखने लगता है।

(*i*) उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों के कवि और कविता का नाम लिखिए।

(*ii*) कवि इन दृश्यों के माध्यम से क्या कहना चाहता है ?

(*iii*) किस प्राणी की विशिष्ट मुद्रा का वर्णन कवि ने नहीं किया है ?

(*iv*) बाज और बकरी में से किसका बिंब आपको सजीव लगता है और क्यों ?

(ख) अब तो आपका पूजा-पाठ न देखा जाएगा, आपकी भलमनसाहत की कसौटी केवल आपका आचरण होगा। सबके कल्याण की दृष्टि से, आपको अपने आचरण को सुधारना पड़ेगा और यदि आप अपने आचरण को नहीं सुधारेंगे तो नमाज़ और रोज़े, पूजा और गायत्री आपको देश के अन्य लोगों की आज़ादी को रौंदने और देशभर में उत्पातों का कीचड़ उछालने के लिए आज़ाद न छोड़ सकेंगी। ऐसे धार्मिक और दीनदार आदमियों से तो वे ला-मज़हब और नास्तिक आदमी कहीं अधिक अच्छे और ऊँचे हैं, जिनका आचरण

अच्छा है, जो दूसरों के सुख-दुःख का ख्याल रखते हैं और जो मूर्खों को किसी स्वार्थ-सिद्धि के लिए उकसाना बहुत बुरा समझते हैं। ईश्वर इन नास्तिकों और ला-मज़हब लोगों को अधिक प्यार करेगा।

(*i*) प्रस्तुत अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है ? इसके लेखक का नाम भी लिखिए।

(*ii*) लेखक ने आचरण सुधारने पर बल क्यों दिया है ?

(*iii*) धार्मिक लोगों की तुलना में किस प्रकार के लोगों को श्रेष्ठ कहा जा सकता है ?

(*iv*) निम्नलिखित शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए :

रोज़ा, स्वार्थ-सिद्धि, नास्तिक, उत्पात, आचरण।

(ग) भारत में हम लोग बहुत धीरे-धीरे चल रहे हैं। चलना हमें बहुत तेज़ी से चाहिए। दिल्ली और प्रान्तीय राज्य, सबकी गति तेज़ की जानी चाहिए। लद्धड़ और आलसी के समान पड़े रहना और कोई काम नहीं करके केवल सिविल लिबर्टी की बातें बघारना, इससे तो कोई भी देश प्रगति नहीं कर सकता। हमारे देश में केवल स्वतन्त्रता ही स्वतन्त्रता है। तत्परता, मुस्तैदी और कार्यपटुता ये गुण अभी बढ़ ही नहीं पाए हैं। मगर दोष किसका है ? हमारे झुंड के झुंड शिक्षित नवयुवक बेकार हैं। हर बेकार ग्रेजुएट एटमं बम होता है। उसे काम दो, नहीं तो वह समाज को अराजकता के मार्ग पर ढकेल देगा।

(*i*) प्रस्तुत अनुच्छेद के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(*ii*) लेखक ने देश की प्रगति के लिए क्या उपाय सुझाया है ?

(*iii*) लेखक ने बेकार ग्रेजुएट को एटम बम क्यों कहा है ?

(*iv*) 'हमारे देश में केवल स्वतन्त्रता ही स्वतन्त्रता है' का आशय स्पष्ट कीजिए।

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5,5,5

(*i*) 'तामझाम थे प्रजातन्त्र के, लटका था सामन्ती ताला'— इस पंक्ति में 'मास्टर' कविता की मूल संवेदना सघन रूप से विद्यमान है—स्पष्ट कीजिए।

(*ii*) 'बाज़ार का नियन्त्रण आज विज्ञापनों के हाथ में है' के संदर्भ में विज्ञापनों के बढ़ते प्रभाव का वर्णन कीजिए।

(विज्ञापन युग)

(*iii*) हमारे मिथक और उपाख्यान और टी.वी. धारावाहिक स्त्री के दमन को कैसे बढ़ावा देते हैं ?

(स्त्रीषु हिंसा-हिंसा न भवति)

(*iv*) लेखक ने प्रेमपत्रों को राष्ट्रभाषा के प्रचार का श्रेष्ठ माध्यम क्यों बताया है ?

(भाषा का प्रश्न : प्रेमपत्रों के संदर्भ में)

(*v*) अखंड भूमि के रूप में भारत की एकता को विदेशियों ने भी सराहा है—इस बात को लेखक ने कैसे पुष्ट किया है ? (प्राचीन भारतीय इतिहास का महत्त्व)

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5,5,5

(क) ब्रजभाषा का सामान्य परिचय

(ख) देवनागरी लिपि की विशेषताएँ

(ग) राजभाषा के रूप में हिंदी की स्थिति

(घ) संपर्क भाषा के रूप में हिंदी।

4. निम्नलिखित अपठित अवतरण के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

चंचलता शिशु की स्वाभाविक प्रवृत्ति है। यह चंचलता सक्रियता उसके अन्दर विद्यमान कर्म-शक्ति की द्योतक है। शिशु की इस कर्म-शक्ति को सही दिशा देते हुए, उसे रचनात्मक कार्यों की ओर उन्मुख करना शिक्षा-योजना का सबसे प्रमुख उद्देश्य होना चाहिए। बालक की कर्म-शक्ति का सही दिशा में मार्गांतरण न होने से वह ध्वंसात्मक भी सिद्ध हो सकती है। बालक की यह ध्वंसात्मक प्रवृत्ति आगे चलकर राष्ट्र की समृद्धि

और सुख-शांति के लिए प्रश्नचिह्न बन जाती है। कर्म-शक्ति के साथ ही शिशु की एकाग्रता की शक्ति को जागृत करना भी आवश्यक है। एकाग्रता के गुण के बल पर ही वह अपने कार्य का संपादन ठीक तरह से कर पाएगा।

(*i*) उपर्युक्त अनुच्छेद का शीर्षक लिखिए। 2

(*ii*) शिक्षा-योजना का सबसे प्रमुख उद्देश्य क्या होना चाहिए ? 3

(*iii*) बालक किस स्थिति में ध्वंसात्मक हो सकता है ? 3

5. बैंक की चेकबुक खो जाने के सूचनार्थ बैंक प्रबंधक को पत्र लिखिए। 7

अथवा

शहर में स्त्रियों के प्रति बढ़ते अपराधों के विषय में मुख्य पुलिस आयुक्त को पत्र लिखिए।

6. (क) किन्हीं **पाँच** मुहावरों/लोकोक्तियों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 5

(*i*) गिरगिट की तरह रंग बदलना;

(*ii*) किताब का कीड़ा;

(*iii*) गागर में सागर भरना;

(*iv*) दाँत खट्टे करना;

(*v*) डूबते को तिनके का सहारा;

(*vi*) साँच को आँच नहीं।

(ख) किन्हीं **पाँच** वाक्यों को शुद्ध कीजिए : 5

(*i*) एक फूलों की माला ले आइए।

(*ii*) मैं सकुशलतापूर्वक हूँ।

(*iii*) प्रत्येक चित्र बुरे नहीं होते।

(*iv*) यहाँ पर एक लड़का और एक लड़की बैठी थी।

(v) देश में सर्वस्व शांति है।

(vi) उसे लगभग पूरे अंक प्राप्त हुए।

7. (क) किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए : 10

(i) सबके लिए शिक्षा : क्यों और कैसे;

(ii) विज्ञापन की महिमा;

(iii) भारत की साझा संस्कृति।

(ख) 'कैंसर जागरूकता प्रदर्शनी' **अथवा** 'पुस्तक मेला' पर एक प्रतिवेदन लिखिए। 5

8. (क) किसी **एक** अंग्रेजी-हिंदी कोश का परिचय दीजिए। 5

(ख) हिंदी शब्दकोश में प्रविष्टि के अनुसार निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए : 5

अधिपति, प्रखर, स्वाभिमान, संप्रदाय, दुराग्रह, उज्ज्वल, मस्तिष्क, कलाकृति, पूर्वाग्रह, पर्यावरण।